KS-SCH/2B/2.00

The House reassembled after lunch at two of the clock,
MR. CHAIRMAN in the Chair

MR. CHAIRMAN: Motion of Thanks on the President's Address. Shri Ravi Shankar Prasad.

MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENT'S ADDRESS

THE MINISTER OF LAW AND JUSTICE (SHRI RAVI SHANKAR PRASAD): Sir, I move that an Address be presented to the President in the following terms:-

> "That the Members of the Rajya Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the President for the Address which he has been pleased to deliver to both Houses of Parliament assembled together on January 31, 2017."

सर, यह मेरे लिए परम सौभाग्य की बात है कि माननीय राष्ट्रपति जी के दोनों सदनों के अभिभाषण पर मुझे इस सदन में अपने विचार रखने का अवसर मिला है। सर, महामहिम राष्ट्रपति जी भारतीय संसद की परम्परा के मर्मज्ञ हैं और उनको भारतीय राजनीति का अनुभव भी है। अपनी इस लम्बी यात्रा में उन्होंने भारत के विकास की यात्रा को भी देखा है। आज बजट सत्र के उद्घाटन के अवसर पर, देश के संवैधानिक प्रमुख के रूप में उन्होंने जो अपने उद्गार प्रकट किए हैं, वे देश के बदलाव का संकेत हैं।

माननीय सभापति जी, माननीय राष्ट्रपति जी ने अपने अभिभाषण में दो महत्वपूर्ण घटनाओं का उल्लेख किया है। एक, महान सिख संत, गुरु गोबिंद सिंह जी के 350 वर्ष पूरे हुए हैं, जिसे हम लोगों ने अभी 'प्रकाश उत्सव' के रूप में मनाया। स्वयं प्रधान मंत्री जी इस कार्यक्रम के लिए पटना गए थे। दूसरा, देश के महान संत, रामानुजाचार्य जी के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इसके साथ ही चम्पारण सत्याग्रह, जहां गांधी जी ने सत्याग्रह के आंदोलन को पहली बार मूर्त रूप दिया था, उसके 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं।

यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्म स्थल पटना, बिहार है, जो मेरी जन्मभूमि भी है और कर्मभूमि भी है। चम्पारण भी बिहार में ही है, इसलिए यह मेरे लिए भावनात्मक लगाव का विषय है। साथ ही विचारक और हम सभी के प्रखर नेता, दीनदयाल उपाध्याय जी के भी 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं, जिन्होंने 'अंत्योदय' की कल्पना दी थी और जिसके आधार पर सरकार गरीबों के कल्याण के लिए काम कर रही है।

(RPM/2C पर जारी)

RPM-RSS/2C/2.05

श्री रवि शंकर प्रसाद (क्रमागत): माननीय सभापति जी, राष्ट्रपति जी ने अपने अभिभाषण में एक और महत्वपूर्ण बात जनशक्ति से विकास की यात्रा, the road to development through peoples' involvement के बारे में कही है। जन-शक्ति ही राष्ट्र-शक्ति है, peoples' power, nation's power. If that involvement comes about, the development becomes extraordinary and dedicated.

माननीय सभापति जी, प्रधान मंत्री, नरेन्द्र मोदी जी की अगुआई में यह सरकार, बदलाव की सरकार है और इस बदलाव में, उनकी अगुआई में हमारे दो सिद्धान्त हैं "सब का साथ, सब का विकास" एवं "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" और इस बड़ी परिकल्पना में, जिसमें सबको लेकर चलना है, इसमें जनता किस प्रकार से सहभागी बने, इस बारे में मैं आपके सामने कुछ उदाहरण रखना चाहूंगा कि यह देश कैसे बदलता है।

महोदय, मैं सदन के अपने उद्बोधन में एक वाक्य कहना चाहूंगा - देश जागता है, जगाने वाला होना चाहिए और अगर जगाने वाला महत्वपूर्ण नेता बनता है, तो देश कैसे जागता है, वह मैं बताना चाहता हूं। दिनांक 27 सितम्बर, 2014 को यूएन को संबोधित करते हुए प्रधान मंत्री जी ने कहा था कि Yoga is an invaluable gift of India's ancient tradition. It embodies unity of mind and body. By changing our life style and creating consciousness, it can help in well being, और बाद में अपील की थी कि let us work towards adopting an International Yoga Day. आपने स्वयं भी देखा होगा दिनांक 21 जून, 2015 को पहला 'इंटरनेशनल योगा डे' मनाया गया था। स्वयं प्रधान मंत्री जी दिल्ली के राजपथ पर हजारों लोगों के साथ योग कर रहे थे। हम सभी लोग कर रहे थे। देश की जनता आई। पहले साल 84 देशों में और दूसरे साल 173 देशों में योगा डे मनाया गया और बाद में 171 कंट्रीज ने, आप तो स्वयं यूएन की कार्यवाही से परिचित रहे हैं, इतनी बड़ी संख्या में योगा डे को पूरी दुनिया ने एक प्रकार से आशीर्वाद दिया और Wall Street Journal ने कहा कि Yoga takes over the world. इसलिए यदि जनशक्ति की शक्ति लगती है, तो एक योजना किस तरह से

सर्वव्यापी बनती है, योगा डे की सफलता उसका बहुत बड़ा उदाहरण है, जिसकी अगुआई में माननीय प्रधान मंत्री जी ने जनशक्ति का उपयोग किया।

महोदय, "स्वच्छ भारत अभियान", देश को साफ होना चाहिए, स्वयं महात्मा गांधी जी की एक बहुत बड़ी कहावत है और उन्होंने इसे माना भी था, लेकिन अगर देश को जगाना है, तो बोलने से काम नहीं चलेगा। वह हम सभी के लिए बहुत भावुक क्षण था जब स्वयं प्रधान मंत्री जी झाड़ू लेकर दिल्ली की सड़कों पर सफाई करने के लिए उतरे। "स्वच्छ भारत अभियान" की माननीय राष्ट्रपति जी ने बहुत विस्तार से चर्चा की है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि हम सभी लोग फील्ड में थे और लोग, महिलाएं और बच्चे अपने आप सड़कों पर निकल रहे थे।

सभापति जी, MyGov हमारा एक कार्यक्रम चलता है, जिसमें देश के 40 लाख लोग डिजिटली इन्वॉल्व होते हैं। हमने उनसे कहा था कि आप 'स्वच्छ भारत अभियान' का लोगो बनाओ, क्राउड सोर्सिंग और उन्होंने गांधी जी का चश्मा बनाकर दिया गांधी जी का विचार, उनका चश्मा, स्वच्छ भारत का अभियान-यह है जनशक्ति के माध्यम से भारत का बदलाव।

माननीय सभापति जी, शौचालय बनने चाहिए। अब मात्र ढाई वर्षों में 1,04,000 गांव, 450 शहर, 77 जिले और तीन राज्यों ने डिक्लेयर किया कि हम ओपन डेफिकेशन फ्री हैं। अब यह कितनी बड़ी बात है। लगभग तीन करोड़ शौचालय बने हैं और जब जनान्दोलन बनता है, तो मैं आपको एक उदाहरण देना चाहता हूं कि एक सरकारी कार्यक्रम में मैं इंदौर गया था। मैं आपके माध्यम से यह बात सदन को बताना चाहता हूं। वहां एक गांव मुराद है। वहां की सरपंच ने अपने पूरे गांव को ओपन

डेफिकेशन फ्री किया है, यानी खुले में शौच से मुक्त। उसका बहुत आग्रह था कि मैं उसके गांव में जाऊं। मैं वहां गया और वहां उन्होंने किस तरह से यूनीक कार्यक्रम किया कि उसने बच्चों की एक वानर सेना बनाई थी, जिसके सदस्य सुबह चार बजे से गांव में घूमते थे और कोई खुले में शौच करता था, तो उसे रोकते थे और कहते थे कि अपने घर में शौचालय बनाओ क्योंकि मोदी सरकार शौचालय के लिए प्रेरणा दे रही है।

(2डी/पीएसवी पर जारी)

-RPM/PSV-KGG/2D/2.10

श्री रवि शंकर प्रसाद (क्रमागत): यह जो पूरा आन्दोलन बना है, तो आज लगभग तीन करोड़ शौचालय इस देश में बने हैं। माननीय सभापति जी, इस बार के इकोनॉमिक सर्वे ने स्वयं इस बात का जिक्र किया है कि शौचालय नहीं बनने से प्राइवेसी में परेशानी होती है, महिलाओं को रोग होता है, इसलिए इसको बहुत ही आगे बढ़ाना जरूरी है।

सर, जनान्दोलन से जुड़ा दूसरा कार्यक्रम देखिए: 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'। अब इसकी बात तो हम सभी करते थे। मुझे याद है कि करनाल के एक कार्यक्रम में प्रधान मंत्री जी ने इस कार्यक्रम की शुरुआत की थी। वहाँ मैं भी गया था और उसमें हमारे कई मंत्री भी उपस्थित थे। माननीय सभापति जी, प्रधान मंत्री जी ने अपने भाषण में एक बात कही थी : "अगर बेटी नहीं बचाओगे, तो बहू कहाँ से लाओगे?" अब इसके पीछे इतनी बड़ी सोच थी कि जो हरियाणा में सेक्स रेश्यो का एक बहुत imbalance रहा है, आज देखिए कि एक-डेढ़ साल के अन्दर वह imbalance बराबर हो गया। तो प्रधान मंत्री जी यह संकल्प के साथ 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' को लीड करते हैं।

एक योजना 'सुकन्या समृद्धि योजना' है। मैं उस विभाग को पहले हैंडल करता था। अभी तक 94 लाख सुकन्या समृद्धि अकाउंट्स खुल चुके हैं, जिनमें 7,600 करोड़ रुपये बेटियों की सुरक्षा के लिए जमा हुए हैं। माननीय वित्त मंत्री जी ने भी कल अपने बजट भाषण में इस पूरे आन्दोलन की बहुत तारीफ की थी, जो पोस्टल डिपार्टमेंट का है।

माननीय सभापति जी, एक बात देखिए कि अगर यह आन्दोलन बनता है, तो उसके क्या संकेत जाते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ओबामा जी 26 जनवरी, 2015 को आए थे। 26 जनवरी की परेड चलती है, लेकिन प्रधान मंत्री जी का यह विचार हुआ कि 26 जनवरी की परेड में हमारी महिला सेना की पूरी टुकड़ी एक कैप्टन की अगुआई में लीड करेगी। उससे एक मैसेज जाता है। जब ओबामा जी राष्ट्रपति भवन आए थे, तो उनकी अगवानी करने के लिए हमारे एयर फोर्स की एक महिला स्क्वाड्रन लीडर खड़ी थी। इससे एक संकेत जाता है और जब यह एक आन्दोलन बनता है, तो आप देखिए कि खेल में भी, इस बार के ओलम्पिक में, चाहे वह पी.वी. सिंधु हों या साक्षी मलिक हों या दीपा करमाकर हों अथवा हमारी बाकी sportswomen हों, इन सबों ने कितना बड़ा नाम किया। पैरालिम्पिक्स में दीपा मलिक ने नाम किया। तो आज 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जनशक्ति के माध्यम से देश का एक बहुत बड़ा आन्दोलन बन गया है। यह एक बहुत बड़े बदलाव की बात है, यह मैं आपको बताना चाहता हूँ।

माननीय सभापति जी, आज मुझे सदन से एक और भी बहुत ही महत्वपूर्ण बात शेयर करनी है। 'पद्म अवाड्र्स' तो सबको मिलते हैं, मिलने भी चाहिए। 'भारत रत्न' भी मिलने चाहिए, 'पद्म भूषण' और 'पद्मश्री' भी मिलने चाहिए। इस बार के 'पद्म अवाड्र्स' में

एक बहुत बड़ा बदलाव क्या हुआ है? हमें इस बात का बहुत गर्व है कि हमारी सरकार ने आम आदमी को खोजा है। जिनकी पैरवी करने वाला कोई नहीं होता था, उनको 'पद्मश्री' दिया है। मैं आपके सामने यह भी 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत'-- ऐसे साधारण भारतीय, जो देश को बदलने का काम कर रहे हैं, नरेन्द्र मोदी जी की सरकार उनको पहचानेगी। भले ही उनके लिए कोई प्रशस्तिगान करने वाला नहीं हो, भले ही उनके लिए कोई एमपी रिकमेंड करने वाला नहीं हो, भले ही उनके लिए कोई सरकार अनुशंसा करने वाली नहीं हो, but the Government of Narendra Modiji will recognize their work and award them with the Padma Award. That is what has happened this year, Sir.

सर, मैं आपको कुछ उदाहरण देना चाहता हूँ। श्री करीमुल हक़ 52 वर्ष के हैं। वे दलबाड़ी गाँव, जलपाईगुड़ी, पश्चिमी बंगाल के हैं। इनके पास एक मोटरसाइकिल है। हर हफ्ते ये 20 गाँवों में से बीमार लोगों को ट्रांस्पोर्ट करके डिस्ट्रिक्ट अस्पताल पहुँचाते हैं। अब तक इन्होंने 3,000 लोगों की जिन्दगी बचाई है, जो परेशान थे, दुखी थे, बीमार थे। उनको 'पद्मश्री अवार्ड' दिया जा रहा है, चाय बागान में काम करने वाले एक गरीब मजदूर को यह अवार्ड दिया जा रहा है।

My friends from Kerala would like to know about Meenakshi Amma. She is 76 year-old from Kerala. What is her contribution? Right from the age of 16, she is teaching Kalaripayattu, the famous Kerala sport. For 68 years she is doing that job. Our Prime Minister has given Padma Shri to this great

achiever of Kerala. …(Interruptions)… All right, whatever my friends from Kerala say, I accept it; no problem.

Daripalli Ramaiah, my friend from Telangana, is 68 years. He has dedicated his life for making India green and planted one crore trees. He has been given Padma Shri by this Government.

(Contd. by VNK/2E)

VNK-KLS/2E/2.15

श्री रवि शंकर प्रसाद (क्रमागत) : सभापति महोदय, इंदौर की 91 साल की डॉ. भक्ति यादव, जो कि Gynaecologist हैं, वे पिछले 68 साल से गरीबों को मुफ्त सेवा दे रही हैं। उन्होंने कुछ नहीं मांगा, लेकिन प्रधान मंत्री जी ने खोजा, इनको 'पद्मश्री' अवार्ड दिया जाएगा और इस बार इनको यह अवार्ड दिया गया है। ऐसे कई उदाहरण हैं। One Bipin Ganatra from Kolkata, my friend from Bengal would love to know, वे 59 साल के हैं, fire incident में उनके भाई की मौत हो गई थी। उनके जीवन का एक मात्र लक्ष्य है कि जो लोग आग में फंसते हैं, उनको बचाएं। उनको 'पद्मश्री' अवार्ड दिया गया है।

Sir, I would like to share with this House that it is a metamorphosis of India happening now. The common people are being recognized. The contribution, quality, accomplishment of common people is being celebrated and it is now being talked about. They are given the highest

honour. This is the Government, 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत', 'सबका साथ, सबका विकास'।

सर, आज 'पद्मश्री' अवार्ड की बात चलती है, तो एक बात कहने की इच्छा होती है। मैंने एक बार हल्के से इसका संकेत दिया था, आज थोड़ा विस्तार से बोलने की इच्छा है। आज़ादी के बाद हमारा देश 70 साल का परिपक्व देश हो गया है। इस देश को बनाने में बहुत लोगों ने काम किया। उनकी विचारधारा कुछ भी हो सकती है, उनकी सोच कुछ भी हो सकती है, लेकिन हमारा काम है कि हम ईमानदारी से उनके त्याग, बलिदान और उपलब्धियों को जानें और उन्हें आदर दें।

सभापति जी, डॉ. अम्बेडकर बहुत बड़े नेता थे, उन्होंने देश को बदलने में बहुत बड़ा काम किया। वे 1956 में मरे, उनको 'भारत रत्न' 1990 में मिला और 1990 में किसकी सरकार थी? शरद जी बैठे हुए हैं, वी.पी. सिंह जी की सरकार थी, जिसके बायें आप खड़े थे, दाएं हम भी खड़े थे और सीताराम जी कहां हैं, वे भी पीछे खड़े थे, तब उनको 'भारत रत्न' देने के लिए स्वीकार किया गया। भारत के महान नेता, जोड़ने वाले नेता, सरदार पटेल 1950 में मरे थे, उनको 'भारत रत्न' 1991 में मिला। 41 साल के बाद उनको 'भारत रत्न' मिला, बीच में बहुत लोगों को मिला, नेहरू जी को मिला, राजेन्द्र बाबू को मिला, राधाकृष्णन को मिला, ज़ाकिर हुसैन को मिला, वी. वी. गिरि को मिला, राजीव गांधी को मिला, इंदिरा गांधी को मिला, अच्छी बात है, लेकिन वे कौन-सी ताकतें थीं, जो सरदार पटेल को 'भारत रत्न' मिलने से रोक रही थीं? मौलाना आज़ाद 1958 में मरे, मैं जितना उनको पढ़ता हूँ, सभापति जी, वे सही में देश के बहुत बड़े जननायक थे। उनको 'भारत रत्न' 1992 में मिलता है। 1991 से भारत के प्रधान मंत्री कौन थे, यह मुझे

बताने की जरूरत नहीं है। यह पीड़ा होती है कि वे कौन-सी ताकतें थीं, वह कौन-सी सोच थी, जो रोकने का काम कर रही थी? कभी न कभी इस पर विचार करना पड़ेगा। लोकनायक जयप्रकाश नारायण 1979 में मरे, अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने 1998 में उनको 'भारत रत्न' दिया और शायद हमारे कांग्रेस के मित्र माफ करेंगे, अगर 1991 में भी परिवार के लोग होते, तो सरदार पटेल और मौलाना आज़ाद को भी 'भारत रत्न' नरेन्द्र मोदी और वाजपेयी जी की सरकार को देना पड़ता, यह भी हम बड़े विश्वास से कहना चाहते हैं। हमें हृदय बड़ा करना पड़ेगा। We need to become more generous in recognizing the work and accomplishment of the leaders who have made India what it is today.

सर, हम एक बात और कहना चाहेंगे। हमारी, मोदी जी की सरकार की कुछ बड़ी मौलिक सोच है देश को बदलने की, गरीबों के लिए, क्योंकि खास करके दीन दयाल उपाध्याय जी के सौ वर्ष पूरे हुए हैं, हम इसे 'गरीब कल्याण वर्ष' के रूप में मना रहे हैं, लेकिन हम एक बात कहना चाहेंगे कि जब 2014 में हमारी सरकार आई थी, तब इसी संसद के सेन्ट्रल हॉल में बोलते हुए प्रधान मंत्री जी ने एक बहुत बड़ा भाषण दिया था, उस समय वे बीजेपी के पार्लियामेंटरी पार्टी और एनडीए के नेता बने थे। हमारी सरकार गरीबों के लिए जिएगी, गरीबों के लिए काम करेगी और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत', 'सबका साथ, सबका विकास' रखते हुए भी हमारे सिद्धांत के और मौलिक उप-सिद्धांत हैं और वे हैं, banking the unbanked, number one; funding the unfunded, number two; securing the unsecured, number three; pensioning the unpensioned, number four. ये हमारे चार सिद्धांत हैं। ऐसे लोग, जो बैंक में

नहीं आए, उनको बैंक में लाओ, उनको गरीबी से ऊपर उठाना है। ऐसे लोग, जिनको आज तक बैंक से लोन नहीं मिलता था, फंडिंग नहीं होती थी, उनको फंड में लाओ। ऐसे लोग, जिनको सुरक्षा नहीं मिलती थी, उनको सुरक्षा में लाओ।

(2एफ/एनकेआर-एसएसएस पर जारी)

NKR-SSS/2F/2.20

श्री रवि शंकर प्रसाद (क्रमागत): सभापति जी, सदन में मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है, क्योंकि उस काम में हम भी लगे हुए थे, जब बैंक कर्मचारियों से प्रधान मंत्री जी ने आह्वान किया कि आप देश के लिए जागो और उन लोगों ने एक साल के अंदर 27 करोड़ लोगों के जनधन एकाउंट्स खोल दिए, जो आज तक बैंक से बाहर थे और उनसे कोई अपेक्षा नहीं की गई कि आप पैसा जमा करो, लेकिन उन गरीबों ने 10 रुपए, 20 रुपए या 50 रुपए करके more than 45,000 करोड़ रुपए जनधन एकाउंट्स में जमा कराए।

सर, आज मैं आपको बताना चाहता हूं, जैसा मैंने कहा 'सीक्योरिंग द अनसिक्योर्ड', आप बताएं कि सिर्फ एक रुपया प्रति महीना देकर दो लाख रुपए का इंश्योरेंस कवर मिल जाए, और 330 रुपए प्रति साल देकर, जो एक रुपए से भी कम प्रतिदिन बनता है, दो लाख रुपए का लाइफ इंश्योरेंस कवर मिल जाए, अभी तक 13 करोड़ लोगों को हमने यह इंश्योरेंस कवर दिया है, जो गरीब हैं, आम आदमी हैं और यह काम चल रहा है। सबसे बड़ा काम तो 'फंडिंग ऑफ अनफंडेड' के अंतर्गत हुआ है।

मुद्रा लोन योजना की बात, सभापति जी, आपने सुनी होगी। अभी तक हमने दो लाख करोड़ रुपए मुद्रा लोन योजना में 5.6 करोड़ ऐसे लोगों को दिए, जो पान वाले, चाय वाले, ठेले वाले, रेहड़ी वाले हैं, जो छोटा-छोटा काम करते हैं। इसमें आपको यह जानकर बहुत खुशी होगी कि मुद्रा लोन योजना में लगभग दो-तिहाई लोग शैड्यूल्ड कास्ट्स के भी हैं, शैड्यूल्ड ट्राइब्स के भी हैं। इस बार के बजट में, माननीय वित्त मंत्री जी से मैं बहुत आदर से बोलना चाहूंगा कि आपने बहुत अच्छा काम किया है, इस पूरी राशि को डबल कर दिया है, दो लाख 44 हजार करोड़ रुपए मुद्रा लोन योजना में कर दिए हैं।..(व्यवधान)..

श्री सुखेन्दु शेखर राय : बजट में प्रावधान किया है..(व्यवधान)..

श्री रवि शंकर प्रसाद : एक लाइन तो मुझे बोल सकते हैं - There is no *res judicata* or prohibition. 'पेंशनिंग अनपेंशन्ड' आदि सारी बातें आदरणीय राष्ट्रपति जी ने अपने अभिभाषण में की हैं। उसमें हम लोगों ने अब तक बड़ी संख्या में लोगों को राहत देने का काम किया है।

यहां मैं किसानों की बात करूं, उससे पहले दिव्यांगों की बात करना चाहता हूं। अपनी सरकार में, जिसकी चर्चा राष्ट्रपति महोदय ने अपने अभिभाषण में की है, दिव्यांगों के लिए जो काम हुआ है, सबसे पहले तो हमने इस योजना का नाम बदला है। पहले उसका नाम विकलांग था, जिसे बदलकर हमने दिव्यांग किया है। सर, यह विकलांग से दिव्यांग की यात्रा बहुत सोच की यात्रा है। विकलांग से कमजोरी समझ में आती है, दिव्यांग से आशा जगती है। *Divyang* represents hope. Handicap remains handicap. That is the basic, fundamental difference. इसमें हमने

उनके रिजर्वेशन को तीन से बढ़ाकर चार परसेंट किया है। लगभग 6 लाख दिव्यांगों को हमने 4,700 special assistance camps लगाकर राहत दी है। इसके अलावा, माननीय थावर चन्द गहलोत की अगुआई में, इस विभाग में काफी दूसरे काम चल रहे हैं। सबसे बड़ी बात इस बार पैरालिम्पिक्स में हुई, इस बार blind cricket में हमारी team first आई और दीपा मलिक ने पैरालिम्पिक्स में बड़ा एवार्ड जीता।

SHRIMATI VIJILA SATHYANANTH: Even Mariappan.

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: My friends from Tamil Nadu are always great. …(Interruptions)…. I am grateful. I take the name with a great degree of pride and assurance.

सर, जहां हम किसानों की बात करते है, किसानों के लिए कल माननीय वित्त मंत्री जी ने फसल बीमा योजना के अंतर्गत 10 लाख करोड़ रुपए की घोषणा की है, जिसकी चर्चा हम आगे विस्तार से करेंगे। फिर भी, फसल बीमा योजना के बारे में मैं सिर्फ एक ही बात कहूंगा कि अभी तक एक लाख चार हजार करोड़ रुपए दिए गए हैं, जिससे 3 लाख 66 हजार फार्मर्स को पिछले साल फायदा हुआ है, लोग योजना का फायदा ले रहे हैं। इस बार इसे और आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके अलावा, soil health card, इरिगेशन के नाम पर, 40 हजार करोड़ रुपया नाबार्ड के पास गया है, 5,000 करोड़ रुपए स्माल फार्मर्स के लिए और नीम कोटेड यूरिया इत्यादि की बात तो हम काफी सुनते हैं। इस मामले में हम अपनी सोच के बारे में दो बातें और कहेंगे कि हम किस तरह से काम कर रहे हैं, यह समझना बहुत जरूरी है। आप देखें कि जितने लोगों के पास गैस नहीं है, उन गरीबों को गैस मिलनी चाहिए।

(DS/2G पर क्रमागत)

DS-USY/2.25/2G

श्री रवि शंकर प्रसाद (क्रमागत) : एक भाषण रहा है कि फूँककर चूल्हा जलाना, आँख खराब होना और एक चूल्हा जलाने में लगभग 400 सिगरेट्स का धुआँ consume करना। अब क्या सोच बनी? गरीबों को हमें गैस का चूल्हा देना है और उसके लिए एक और पहल हुई। वह पहल यह थी कि जो लोग अपनी सब्सिडी छोड़ सकते हैं, वे छोड़ें, जो afford कर सकते हैं, वे afford करें। माननीय सभापति जी, प्रधान मंत्री जी ने अपील की और 1.5 करोड़ लोगों ने अपनी सब्सिडी अपने आप छोड़ दी। यह देश में एक नई चीज़ देखी गई। मैं फिर इस पर आता हूँ। देश जागता है, जगाने वाला होना चाहिए। इस उदाहरण को देखकर मुझे लाल बहादुर शास्त्री जी की याद आ गई। हम लोग तब बहुत छोटे बच्चे थे, जब सन् 1965 का युद्ध हुआ था। जब पाकिस्तान के साथ हो रही लड़ाई के कारण अमेरिका में बैठी ताकतें अमेरिका के पीएल-480 गेहूँ को यहाँ आने से रोक रही थीं, तब लाल बहादुर शास्त्री जी ने इस देश से यह अपील की थी कि हिन्दुस्तान के लोगो, सोमवार के दिन रात्रि का भोजन छोड़ दो और देश ने सोमवार को रात का भोजन छोड़ा था, ताकि देश में अनाज की व्यवस्था हो। उसके बाद से यह पहली घटना हुई। आज हमें लगभग 5 करोड़ लोगों को गैस का चूल्हा फ्री देना है। लगभग डेढ़ करोड़ लोगों को यह दिया गया है और इसको और भी आगे बढ़ाना है।

माननीय सभापति जी, यह जो "दीनदयाल ज्योति योजना" है, इसमें प्रधान मंत्री जी का क्या निर्देश हुआ? भारत की आज़ादी के 68 साल बाद भी 18,000 गाँव बिना बिजली के हैं! यह नहीं होना चाहिए। आज 11,000 से अधिक गाँव बिजलीयुक्त हो चुके

हैं और इस साल के अंत तक पूरे 18,000 गाँवों में बिजली पहुँच जाएगी, यह एक बदलाव का लक्षण है और जनता के सहयोग से यह हो पाता है।

सर, हमें भारत के संस्कारों पर बहुत विश्वास है, भारत की संस्कृति पर भी बहुत विश्वास है, उससे हम गर्व लेते हैं। हम अतीत से सीखते हैं, वर्तमान में जीते हैं और भविष्य को मजबूत बनाते हैं, लेकिन हमारी सरकार के आने के पहले हमारी एक राजनीतिक विरासत भी थी। हमारे मित्र हमें ज़रा क्षमा करेंगे। उस समय देश की क्या स्थिति थी, आर्थिक व्यवस्था क्या थी, कैसा policy paralysis था, महँगाई कितनी थी, देश में कितना भ्रष्टाचार था? ...(व्यवधान)... आप तो भारत की संस्कृति को बहुत जानते हैं, आपके समय यह 8 से 10 परसेंट था। आप चिन्ता मत करिए, यह आँकड़े की बात है, यह देश जानता है। दिसम्बर में यह कितना कम हो गया है, कल माननीय वित्त मंत्री जी ने सदन को बताया है कि यह 3 परसेंट हो गया है। आप तो भारत की संस्कृति को बहुत जानते हैं। पंचतत्व से पृथ्वी बनती है, जिसमें आकाश भी है, वायु भी है, जल भी है, अग्नि भी है और जमीन भी है। यह बात तो हमने सुनी है, यह अच्छा है, लेकिन पृथ्वी के हर तत्व में कहीं न कहीं भ्रष्टाचार देखा गया। अंतरिक्ष में भी देखा गया -- Antrix Devas; वायु में भी देखा गया -- airwaves spectrum; आकाश में भी देखा गया -- helicopter scam; जमीन पर भी देखा गया -- आदर्श और कॉमनवेल्थ स्कैम्स; पाताल में भी देखा गया -- कोयला स्कैम; और समुन्दर में भी देखा गया -- submarine scam. तो यह पंचतत्व की नई व्याख्या हमें समझ में आई। आजकल जमाना innovation का है और innovation में नई-नई बातें आती हैं। उस समय innovation में क्या बात की जा रही थी, zero loss theory! कोयला स्कैम पर आपकी तरफ के एक

बहुत विद्वान मित्र ने कहा, "Since the coal is embedded to the land, there is a scam." ये बातें हम सुनते थे, उस समय हम विपक्ष में थे। मुझे आज इस बात का बहुत मान और गौरव है कि अतीत की सरकार के विपरीत नरेन्द्र मोदी जी की सरकार में भ्रष्टाचार बन्द है और ईमानदारी से फैसले होते हैं। जहाँ कोयला घोटाला होता था, वहाँ हमने ईमानदारी से नीलामी की। जहाँ घोटाला हुआ था, वहाँ 3 लाख करोड़ रुपये आए और वह पैसा केन्द्र और उन प्रदेशों को जा रहा है, जहाँ कोयले की खदानें हैं। ...(व्यवधान)...

श्री नीरज शेखर : अभी आया नहीं है। ...(व्यवधान)... आएगा या आ गया है?...(व्यवधान)...

श्री रवि शंकर प्रसाद : अच्छा, ठीक है। अब मुझे बोलने दीजिए। स्पेक्ट्रम में पहली बार ऑक्शन हुआ। जहाँ घोटाले हुआ करते थे, वहाँ से 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये की highest ever राशि भारत सरकार को आई। इस बार भी बहुत बड़ी संख्या में स्पेक्ट्रम बेचा गया। Spectrum sharing, spectrum trading, harmonization, ये सारे काम पूरे किए गए। तो ये बदलाव हुए हैं।

(2एच/एमसीएम पर जारी)

MCM-PK/2H/2.30

श्री रवि शंकर प्रसाद (क्रमागत) : लेकिन जहां policy paralysis था, वहां भारत का चेहरा क्या बदला है, भारत का व्यक्तित्व क्या बदला है इसके बारे में हम सदन को जरूर कुछ कहना चाहेंगे कि जिस तरह से बदलाव हो रहा है कि चाहे दुनिया की कोई भी एजेंसी हो, वह किस तरह से सार्थक चर्चा करके, चाहे वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट हो या

किसी और संस्था की रिपोर्ट हो या आई0एम0एफ0 की हो, सब जगह एक ही बात कही जा रही है कि India is the most promising economy. नोटबंदी पर मैं अलग से चर्चा करूंगा।

आज मैं बार-बार उस सारे को साइड करके यहां बताना नहीं चाहता हूं कि क्या-क्या बदलाव हुआ है, लेकिन यह जग जाहिर है कि किस तरह से बदलाव हुआ है। अब आप देखें एफ0डी0आई0 की बात आई थी। India today is host to the highest number of FDIs. यह बताने की जरूरत है। सर, जरा उन लोगों को शांत होने के लिए बोलेंगे, उनको बोलने का मौका मिलेगा। Our manufacturing is going very high. ..(Interruptions)..

MR. CHAIRMAN: Please allow the speaker to continue.

SHRI RAVI SHANKAR PRASAD: Our manufacturing has gone high. Yesterday, it was explained in great detail how India is home to the biggest number of FDIs in the recent years. Yesterday, it was explained in great detail. I don't want to go into those details. Those are matters of record as to how India today is privy to the biggest foreign exchange reserves. Today, India has scaled great heights in Ease of Doing Business. ये बातें तो सभी जानते हैं। नोटबंदी पर कमजोरियों को उजागर करते हुए भी चाहे वह आई0एम0एफ0 हो या वर्ल्ड बैंक हो, वे सब क्या कह रहे हैं? Indian growth story in the coming two to three years is going to be 6.5 per cent to 7.5 per cent to 8.5 per cent. यह हम नहीं कह रहे हैं। अब वे नहीं मानते हैं तो उनको उनकी

शुभकामनाएं मुबारक हों, उनके विचार मुबारक हों। सर, मैं एक बात आज कहना चाहूंगा, इधर कुछ दिनों पहले प्रधान मंत्री जी के निर्देश पर हमें विदेश जाने का मौका मिला कुछ सरकारी मामलों में। चार देशों में यूरोप के तीन देशों के एम्बैसेडर ने मुझे यह बात कही। आप जानते हैं कि एम्बैसेडर लगभग 30 साल सर्विस करने के बाद बनते हैं। उन्होंने कहा कि हम लोग भारत के प्रतिनिधि इतने वर्षों से हैं, लेकिन भारत के एम्बैसेडर के रूप में दुनिया में हमको इतनी इज्ज़त आज तक नहीं मिली, जितनी नरेन्द्र मोदी जी की अगुआई में मिल रही है। ऐसा वे लोग बोल रहे हैं। अगर आप अब नहीं समझने को तैयार हैं तो आपके ऊपर है। आपकी स्पाँसरशिप कहती थी आप अपनी आज की जगह देखिए, पहले आप इधर बैठते थे। तो अभी काफी दिन वहां बैठेंगे, चिंता मत करिए।

सर, मैं नोटबंदी पर अब कुछ बोलना चाहता हूं। इसको लेकर काफी परेशानी रही। सर, भारत को ईमानदार रास्ते पर बनाने की कोशिश प्रधान मंत्री जी की उस दिन से है जिस दिन से पहली केबिनेट बैठी थी। यह बात उन्होंने अपने पूरे चुनाव अभियान में भी कही थी। पहली केबिनेट में क्या फैसला हुआ कि ब्लैक मनी के लिए एस0आई0टी0 बनाई जाएगी, जो सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद दो साल से आप नहीं बना रहे थे। वह हमने फैसला पहली केबिनेट में किया। जी-20 कन्ट्रीज़ में कैम्पेन करके प्रधान मंत्री जी ने कहा कि फॉरेन में जो काला धन जमा होता है, उसके ऊपर पूरी दुनिया को एक साथ बोलने की जरूरत है। आज automatic exchange of information अमेरिका के साथ है, स्विट्ज़रलैंड के साथ है। हम लोगों ने यहां टैक्स पर बदलाव किया, Bankruptcy Code लाए। Benami Act कितने वर्षों से इफेक्टिव

नहीं था, उसको इफेक्टिव बनाया, उसको धारदार बनाया। उसके अलावा Money Laundering Act व बाकी सब किया। तो यह नोटबंदी एक पहली प्रक्रिया नहीं है जो की गई, दो साल में प्रधान मंत्री जी ने पहल करके भारत को ईमानदार और भारत की अर्थव्यवस्था को ईमानदार बनाने के लिए कई कोशिशें की गईं। अब नोटबंदी से जनता में प्रधान मंत्री जी ने ईमानदारी से अपील की थी कि आपको कुछ महीनों की परेशानी होगी। उन्होंने 50 दिन की बात कही थी। हमने यह भी देखा कि लोगों ने कहा कि हमें कठिनाई हो रही है, लेकिन यह जो कदम उठाया है नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने यह देश को मजबूत बनाने वाला कदम है, आगे बढ़ाने वाला कदम है।

(2J/SC पर जारी)

SC-PB/2.35/2J

श्री रवि शंकर प्रसाद (क्रमागत) : मुझे याद है, आज मुझे इस सदन में बोलना पड़ेगा कि हमारे कुछ टीवी के एंकर्स अपना छोटा-बड़ा कैमरा लेकर लाइन में खड़े लोगों के मुंह में भी कैमरा घुसा दिया करते थे कि आपको कैसा लग रहा है? लोग कहते थे कि खड़े होते हैं तो परेशानी तो होती है, लेकिन यह कदम अच्छा है, यह भारत को बदलने वाला कदम है - यह हुआ है। देश जागता है, जगाने वाला होना चाहिए। यह हमने करके दिखाया है। सर, नोटबंदी पर हम विस्तार से चर्चा जरूर करेंगे, लेकिन चाहे वह दुनिया हो, चाहे हिन्दुस्तान को समझने-समझाने वाले लोग हों, चाहे वे बड़े अर्थशास्त्री हों - एकाध को छोड़कर, जिनका हमारे प्रधान मंत्री जी के बारे में पूर्वाग्रह रहता है - सबने यह स्वीकार किया कि It is a transformational initiative taken by Narendra Modi

Government. मैं आपको तीन-चार बातें बताता हूं। आतंकवाद की वित्तीय कमर टूटी या नहीं टूटी? हवाला कारोबारी की साख कमज़ोर हुई या नहीं हुई? सुपारी किलिंग्स की हिम्मत टूटी या नहीं टूटी? कश्मीर में पाकिस्तान के प्रायोजन से पैसे लेकर ढेला फेंकने वालों की हिम्मत कमज़ोर हुई या नहीं हुई? जो माओवादी पैसे इकट्ठा करके, प्लास्टिक में बांधकर नीचे गाढ़ते थे, वे हिंसा में कम, अपने पैसे को बदलवाने के लिए अधिक परेशान हो रहे थे - यह हमने करके दिखाया।

माननीय सभापति जी, एक जो सबसे बड़ी बात हुई है, जिसकी चर्चा मैंने बाहर भी की ओर मैं सदन को भी बताना चाहूंगा कि Resurgent India ने स्टडी किया है कि हिन्दुस्तान सेक्स ट्रेड के लिए जो मानव तस्करी हुआ करती थी, उसमें भयंकर कमी आयी है क्योंकि बंगाल, असम, झारखंड, बंगलादेश और नेपाल से लड़कियों को लाकर जो सेक्स ट्रेड के लिए exploit किया जाता था, वे सारे जो बिचौलिए थे, उनका पेमेंट पांच सौ और हज़ार रुपए के पुराने नोटों में हुआ करता था, वह धंधा भी कमज़ोर पड़ गया। हमने यह बदलाव करके दिखाया। इसके कारण एडवांस टैक्स कितना बढ़ा है, यह तो अरुण जेटली जी बता चुके हैं कि एकाएक उसमें कितना सर्ज आया है। इससे tax compliant देश कैसे बनेगा, इसकी भी चर्चा हुई है।

सभापति जी, आज मैं बहुत गर्व से अपनी सरकार के बारे में, माननीय प्रधान मंत्री जी और वित्त मंत्री जी के बारे में एक बात कहना चाहूंगा कि आज सरकार और वित्त मंत्री ने देश को ईमानदारी से बताने की कोशिश की है कि देश में कितने कम लोग टैक्स देते हैं। क्या हम सोच सकते हैं कि सिर्फ 24 लाख लोग दस लाख से अधिक आमदनी दिखाते हैं? लाखों की संख्या में कम्पनियां हैं, लेकिन सिर्फ सात हज़ार के

करीब कम्पनियां अपनी आमदनी पचास करोड़ से अधिक बताती हैं? यह देश underpaid इन्कम टैक्स की स्थिति में था, यह स्थिति चल रही थी, इसको बदलना था। एक बात मैंने बाहर भी कही है और मैं आज सदन में भी कहना चाहूंगा कि आज देश के विकास के लिए, exact विकास के लिए साढ़े चार, पांच लाख करोड़ available होता है, बाकी पेंशन देनी पड़ती है, सेलरी देनी पड़ती है और बाकी establishment cost होता है। क्या हम चाहते हैं या नहीं चाहते हैं कि भारत की सेना दुनिया की सबसे मज़बूत सेना बने, अच्छे आयुध आएं, अच्छे weapons आएं? Do we want or not that Indian good young mind must innovate, create good intellectual property and patent for the country? क्या हम चाहते हैं या नहीं चाहते कि भारत का satellite दुनिया में और आगे ऊंचाई पर जाए? उसके लिए we need money, we need to enlarge the tax base of India. यह नोटबंदी का जो ऐतिहासिक कदम है या भारत को मज़बूत और ईमानदार करने की दिशा में एक बहुत बड़ा कदम है, यह हम कहना चाहते हैं।

सर, हमने surgical strike की - एक तो नोटबंदी करके और दूसरी सरहद के पार भी की - उसको लेकर भी काफी परेशानी हुई। यह कहा जा रहा है कि सबूत लाओ कि सर्जिकल स्ट्राइक हुई या नहीं हुई। देश के जवानों के बलिदान और हिम्मत का सबूत नहीं मांगा जाता है, वे तो देश के लिए त्याग करते हैं। हमने पाकिस्तान से रिश्तों को अच्छा करने की पूरी कोशिश की। प्रधान मंत्री जी ने स्वयं पहल की। अटल जी का कहना था कि हम अपने दोस्त तो बदल सकते हैं, लेकिन पड़ोसी नहीं बदल सकते, लेकिन अगर वहां आतंकवाद को प्रोत्साहन मिलेगा तो भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा

के लिए और आतंकवाद को रोकने के लिए हर यथोचित वैधानिक कार्यवाही करेगा, उससे यह संकेत आता है। सर, आप तो विदेश नीति को स्वयं बहुत समझते हैं, आपका व्यापक अनुभव है। इस बार भारत और पाकिस्तान के साथ जो हुआ, इसमें हमने एक नया नज़ारा देखा।

(2के-जीएस पर जारी)

SKC-GS/2K/2.40

श्री रवि शंकर प्रसाद (क्रमागत): पहले भारत के साथ पारम्परिक रूप से रूस खड़ा रहता था और बाकी दुनिया या तो चुप या indifferent या पाकिस्तान की ओर झुकी हुई दिखाई पड़ती थी। इस बार ऐसा हुआ कि क्या अमेरिका, क्या यूरोप, क्या ऑस्ट्रेलिया, क्या भारत के पड़ोसी, क्या सउदी अरेबिया, क्या इराक, क्या ईरान, क्या क़तर, क्या दुबई, क्या मस्कट, सब भारत के साथ खड़े नज़र आए। यह देश की सुरक्षा के दृष्टिकोण से बहुत बड़ी बात हुई है। हमारे प्रधान मंत्री विदेश जाया करते थे, यह सही है। दुनिया के एक लोकप्रिय नेता हैं। उधर से कभी-कभी एक सवाल उठता था कि आजकल प्रधान मंत्री जी भारत की यात्रा पर हैं। ऐसा हम सुनते थे। हम अपने ऐसे मित्रों को बहुत विनम्रता से बताना चाहेंगे कि भारत के प्रधान मंत्री विदेश छुट्टियां मनाने नहीं जाया करते थे। वे भारत की सुरक्षा की दीवारों को मजबूत करने जाया करते थे और पाकिस्तान की दीवारों को कमजोर करने जाया करते थे। वे जहां भी जाते थे, हम जानते थे कि भारत के प्रधान मंत्री जी कहां गए हैं, हमें यह भी मालूम था। आज इस देश के बदलाव में, भारत की विदेश नीति ...(व्यवधान)... आप समझ रहे हैं कि मैं क्या कह रहा हूं। आप समझ गए हैं कि मैं क्या कह रहा हूं। ...(व्यवधान)... मेरा कहना यह है कि

भारत की विदेश नीति की यह बहुत बड़ी श्रेष्ठता हुई है कि भारत एक दुनिया की बड़ी ताकत के रूप में उभरा है।

सर, मैं कुछ मोटी बातें कह कर अपनी बात समाप्त करूंगा। मैं एक बात कहूंगा और मैं यह बहुत भावुकता से कहना चाहता हूं कि देश में जो सेना के जवान क़ुरबान होते हैं, जब आप उस क़ुरबानी का सबूत मांगते हैं, तो कभी-कभी उनके परिवार से पूछना चाहिए। अभी 26, जनवरी, 2017 को राष्ट्रीय राइफल्स के martyr के हवलदार हंगपन दादा को अशोक चक्र दिया गया। ...(व्यवधान)...

श्री बी.के. हरिप्रसाद: सर्जिकल स्ट्राइक के बारे में बताइए। ...(व्यवधान)...

श्री रवि शंकर प्रसाद: कुछ चीजें गोपनीय होती हैं, जिसके बारे में आप भी जानते हैं। आप तो मंत्री भी रहे हैं, आप सांसद भी हैं। आप शांत रहिए।

श्री बी.के. हरिप्रसाद: आप सर्जिकल स्ट्राइक के बारे में बताइए।

श्री रवि शंकर प्रसाद : सर, इन्होंने आतंकवादियों से लड़ते हुए चार आतंकवादियों को मारा और इनको देश का सर्वश्रेष्ठ पीस टाइम अवार्ड दिया गया, अशोक चक्र अवार्ड दिया गया।

सर, मैं टी वी देख रहा था। उनकी पत्नी अरुणाचल प्रदेश से आती हैं और उनका बेटा भी। उनके छोटे बेटे से जब पूछा गया कि तुम क्या बनोगे, तो उसने कहा कि मैं अपने पिताजी की तरह सेना में जाऊंगा, सेना का अफसर बनूंगा और आतंकवादियों से लडूंगा। यह भारत की परम्परा होती है और मैं यह हर बार देखता हूं कि जो आतंकवादियों से लड़ते हुए शहीद होते हैं और ऐसा काम करते हैं।

सर, हमारी सरकार ने इसलिए तय किया "वन रैंक, वन पेंशन" का मामला, जो इतने दिनों से पेंडिंग था, कभी-कभी पांच सौ करोड़ रुपये की घोषणा की गई थी । सर, हमारे बिहार में एक कहावत है, गाज़ीपुर में भी होगी, " ऊंट के मुंह में जीरा का फोरन।" सर, यह इतनी बड़ी अपेक्षा थी और इसके लिए सिर्फ पांच सौ करोड़ रुपये दिए गए। किसी के जख्म पर क्या नमक छिड़का गया था? प्रधान मंत्री जी ने कहा कि इसको पूरा करना है। सर, "वन रैंक, वन पेंशन" में 11,000 करोड़ रुपये दिए गए हैं। अभी तक 6,200 करोड़ रुपये डिस्ट्रिब्यूट हो चुके हैं और 19,06,000 जो हमारे veterans हैं, वे इसका फायदा पा चुके हैं। यह होता है "वन रैंक, वन पेंशन" को ईमानदारी से लागू करना और बाकी भी समय-सीमा के अंदर लागू कर दी जाएगी।

सर, मैं एक बात इंफ्रास्ट्रक्चर के बारे में कहना चाहूंगा कि सड़कें कितनी बन रही हैं। पहले सड़क 73 किलोमीटर बनती थी और अब 135 किलोमीटर बनती है। नेशनल हाईवे कितना बन रहा है, पोर्ट कितना बन रहा है। कल लगभग 4 लाख करोड़ रुपया वित्त मंत्री जी ने दिया है, इस पर बाद में चर्चा करेंगे और यह इन्फ्रास्ट्रक्चर में आज तक का highest allocation है। मैंने आरम्भ में ही कहा है कि मोदी जी की सरकार बदलाव की सरकार है। Digital India, Make in India, Skill India, Start-up India, Stand-up India are all transformational programmes designed to make India an empowered society. सर, मैं आपको बताता हूं कि हम डिजिटल इकोनॉमी को पुश कर रहे हैं। इस देश के 111 करोड़ लोग आज "आधार" पर हैं। मैं यह मानता हूं कि इसे आपने शुरू किया था। कुछ-कुछ अच्छा काम तो आप शुरू करते थे, उसको बढ़िया करना हमारा काम था।

(HMS/2L पर जारी)

HMS-HK/2.45/2L/

श्री रवि शंकर प्रसाद (क्रमागत) : वह कहानी कभी और सही। अहमद पटेल जी बैठे हुए हैं, वे समझते हैं कि मैं क्या कह रहा हूं? सर, हमने JAM trinity किया। सर, 125 करोड़ के देश में 108 करोड़ लोगों के पास आज मोबाइल फोन्स हैं। पिछले दो साल में इस देश में इतने मोबाइल फोन्स जोड़े गए हैं, जितनी कि इटली और फ्रांस की जनसंख्या है। यह इस देश का मान बना है। सर, 111 करोड़ लोग "आधार" पर हैं, 50 करोड़ इंटरनेट कनेक्शंस हैं, 35 करोड़ स्मार्ट फोन्स, India is becoming the biggest, fastest, start-up country in the world, even living China behind. यह देश में बदलाव हो रहा है। सर, यह देश कैसे बदल रहा है और लोग कैसे जाग्रत हो रहे हैं, मैं इस बारे में एक उदाहरण देना चाहता हूं। प्रधान मंत्री जी इंग्लैंड गए थे और वहां Wembley stadium में भारतीयों को एड्रेस कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अलवर के इमरान खान हिंदुस्तान बना रहे हैं। सर, उस समय में कम्युनिकेशन विभाग का मंत्री था। हमने रात में ही बीएसएनएल के सीएमडी को कहा कि कल मैनेजर को बुके लेकर भेजो और वे उनसे मेरी बात कराएं। उनका 9 बजे फोन आया कि इमरान खान आपके फोन का इंतजार कर रहा हैं। मैंने कहा, जनाब आपका कल लंदन की एक सभा में प्रधान मंत्री जी ने नाम लिया है, आपको मालूम है? उन्होंने कहा, मैं तो सो गया था। उस वक्त रात के एक बज रहे थे। मुझे पड़ोसियों ने जगाया कि प्रधान मंत्री लंदन में तुम्हारा नाम ले रहे हैं। मैंने पूछा कि आप करते क्या हैं? उन्होंने कहा कि मैं संस्कृत महाविद्यालय में गणित का शिक्षक हूं। मैंने पूछा और क्या करते हैं? उन्होंने कहा कि सर, मैं "ऐप" बनाता हूं।

मैंने पूछा किस के लिए? उन्होंने कहा बच्चों के लिए फिजिक्स, कैमिस्ट्री, कैलकुलस के "ऐप्स" बनाता हूं। मैंने पूछा कितने बच्चे यूज़ करते हैं? उन्होंने कहा 40 लाख बच्चे हमारे "ऐप्स" को यूज करते हैं।

माननीय सभापति जी, अलवर जैसे छोटे शहर में अपनी विधा से वे यह कर रहे हैं। My friend from Telangana, I would like to tell you one more example. सर, सतम्मा देवी एक बीड़ी मजदूर हैं। वे डिजिटल लिटरेट हो गयी हैं। सर, हमने एक ट्वीट कर के उन्हें बधाई दी। वे celebrity हो गयीं और टी0वी0 वाले उनका इंटरव्यू लेने गए। मैंने उनसे फोन पर बात की। She does not know English or Hindi. मैंने तेलुगू में ट्रांसलेशन से बात की। मैंने पूछा आप क्या करती हैं? वह बोलीं कि बीड़ी मजदूर हूं। फिर पूछा कि आप डिजिटल literate कैसे हो गयीं? उन्होंने कहा कि मेरा एक बेटा दुबई में प्लंबर है। मैं उसे और अपने पोते को मिस करती थी। तो मुझे दोस्तों ने कहा कि अगर पोते से बात करना और उसका चेहरा देखना है, तो स्काइप करना सीखो। फिर स्काइप करने के लिए मैं कंप्यूटर लिटरेट हो गयी। इस तरह हिंदुस्तान बदलाव की कोशिश कर रही है। आज डिजिटल इंडिया ऐसे हर हिंदुस्तानी को आवाज दे रहा है और आगे बढ़ रहा है।

महोदय, हमने जन-धन को आधार से जोड़ा, मोबाइल से जोड़ा और गैस की, राशन की, कुकिंग गैस की सब्सिडी उनके अकाउंट में सीधे डालनी शुरू कर दी। सर, कुछ ही योजनाओं में 35 करोड़ लोगों को फायदा हुआ है और माननीय सभापति जी, हमने 36 हजार करोड़ बचाए हैं जो बिचौलिए खा जाया करते थे। सर, हमारी सरकार का यह मानना है कि digital governance is good governance; digital

delivery is faster delivery; digital eco-system is honest eco-system. यह पूरी सोच है। इसलिए मुझे माननीय वित्त मंत्री जी का बहुत अभिनंदन करना है कि उन्होंने कल पेश किए अपने बजट में डिजिटल पेमेंट को बहुत आगे बढ़ाया है। सर, हमने "भीम ऐप" बनाया, जिसे अब तक सवा करोड़ लोग डाउनलोड कर चुके हैं। यह बहुत लोकप्रिय हो रहा है।

माननीय सभापति जी, जिस तरह से आम आदमी इस पूरी प्रक्रिया से जुड़ा है। आज वह समझता है कि digital india के माध्यम से मुझे देश को बदलने का मौका मिला है। सर, हमारे दो लाख कॉमन सर्विस सेंटर्स हैं। इन्हें दलित और साधारण महिलाएं चलाती हैं। ये 1,25,000 ग्राम पंचायतों में हैं, जोकि पासपोर्ट बनाती हैं, आधार कार्ड बनाती हैं, और बाकी काम करती हैं। सर, यह पूरे बदलाव का जो एक महान काम हो रहा है। सर, Skill India, कौशल विकास योजना, आज 12 हजार करोड़ रुपए देश के नौजवानों को skilled करने के लिए दिए गए हैं और इस कार्यक्रम को और आगे बढ़ाने की योजना है। सर, यह पूरे भारत को मजबूत बनाने का एक कार्यक्रम है।

सर, Transformational Programme जैसे एक और बड़े कार्यक्रम की बात करना चाहूंगा। माननीय सभापति जी, राष्ट्रपति जी ने उसकी विस्तार से चर्चा की है। हम गंगा ऊर्जा की तरह जगदीशपुर से धर्मा तक इसे ले जा रहे हैं। ...(व्यवधान)..

MR. CHAIRMAN : No posters, please. Sit down ...(Interruptions)... Hon.Member, please sit down ....(Interruptions)... Take away the poster; please sit down ...(Interruptions)... Please sit down.

श्री रवि शंकर प्रसाद : सर, हम इस तरह से गोरखपुर से, बरौनी से लेकर सिंदरी के पूरे फर्टिलाइजर कारखाने को आगे बढ़ाएंगे और लगभग 20 हजार से अधिक गांवों और शहरों में पाइपलाइन से गैस की व्यवस्था करेंगे। सर, यह गैस ऊर्जा का एक नया स्रोत बना है।

(2 एम/एएससी पर जारी)

ASC-KSK/2M/2.50

श्री रवि शंकर प्रसाद (क्रमागत) : यह सरकार बदलाव की सरकार है, यह सरकार transformation की है।

माननीय सभापति जी, बोलने को तो बहुत कुछ है, लेकिन मैं एक बात कहूंगा...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Please sit down, hon. Member. You are not allowed to display posters here. ...(Interruptions)...

श्री रवि शंकर प्रसाद : जब बदलाव की सरकार बनती है, तो जो देश निराशा के माहौल में था, वही देश भ्रष्टाचार से पीड़ित था ...(व्यवधान).....

MR. CHAIRMAN: Stop interruptions. ...(Interruptions)...

श्री रवि शंकर प्रसाद : वही देश, जो निराशा में था कि इस देश में एक प्रकार से कुछ नहीं हो सकता है, यह भाव था। ...(व्यवधान)... चाहे वे हिन्दुस्तान के NRI हों, हमें बहुत गर्व है, हम विदेशों में जाया करते थे। They used to feel so hopeless, "What has happened to our country?"...(Interruptions)...

MR. CHAIRMAN: Please sit down.

श्री रवि शंकर प्रसाद : आज वही भारत उत्साह में है, आज वही भारत आशा में है, आज वही भारत विश्वास में है और आज वही भारत एक नए भारत के भविष्य के संकल्प को लेकर ऊर्जावान है। मोदी जी की सरकार एक ईमानदार भारत बनाना चाहती है, एक ऊर्जावान भारत बनाना चाहती है, श्रेष्ठ भारत बनाना चाहती है और दुनिया की एक बड़ी ताकत बनाना चाहती है। भारतवर्ष पनपे यह हमारा संकल्प है। माननीय राष्ट्रपति जी ने अपने भाषण में उस पूरे दृष्टिकोण को विस्तार से रखा है। मैं इसके लिए उनके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करते हुए, इस प्रस्ताव को मूव करता हूं, बहुत-बहुत धन्यवाद।

(समाप्त)

MR. CHAIRMAN: Thank you. Now, Dr. Vinay P. Sahasrabuddhe to make his speech seconding the Motion. …(Interruptions)…

डा. विनय पी. सहस्त्रबुद्धे: आदरणीय सभापति जी .....(व्यवधान).....

MR. CHAIRMAN: Please, take away that poster and sit down.

SHRI V. VIJAYASAI REDDY: Sir…(Interruptions)…

MR. CHAIRMAN: Please, sit down. When your turn comes to speak, you will speak.

डा. विनय पी. सहस्त्रबुद्धे (महाराष्ट्र): आदरणीय सभापति जी, मैं आपका आभारी हूं कि आपने हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता और केन्द्रीय मंत्रिमंडल के वरिष्ठ सदस्य, श्री रवि शंकर प्रसाद जी के द्वारा यहां जिस प्रस्ताव को रखा गया है, उसका अनुमोदन करने के लिए मुझे आमंत्रित किया है। मैं अपने आपको भाग्यशाली समझता हूं कि देश में

गवर्नेन्स के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचने वाली इस सरकार के संदर्भ में जो राष्ट्रपति महोदय का अभिभाषण रहा, उसके ऊपर धन्यवाद ज्ञापन प्रस्ताव का अनुमोदन करने का अवसर मुझे मिल रहा है।

सभापति जी, आप जानते हैं कि राष्ट्रपति जी का अभिभाषण, एक दृष्टि से अमरीका के राष्ट्रीय अध्यक्ष इस पद्धति से State of the Nation Address करते हैं, उस तरीके का होता है। पूरे देश में क्या चल रहा है, सरकार के इरादे क्या हैं, भविष्य की योजनाएं क्या हैं, माननीय राष्ट्रपति जी ने अपने अभिभाषण में सिलसिलेवार तथा तफसील से कई मुद्दों को बहुत अच्छे तरीके से स्पर्श किया है।

(श्री उपसभापति पीठासीन हुए)

उस भाषण में जो कहा गया है, उसी के ऊपर और अधिक विस्तार से कहने की शायद आवश्यकता नहीं है। आदरणीय रवि शंकर प्रसाद जी ने उसके बारे में बहुत विस्तार से हमें कुछ बातें बताई हैं। जो चार बिन्दु मेरे ध्यान में आए हैं, मैं केवल चन्द मिनटों में उनके ऊपर इस सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा।

सबसे पहली बात यह है कि यह सरकार एक continuity with change के इरादे से काम कर रही है। इस सरकार को सत्ता में आए ढाई साल हो रहे रहे हैं, व्यवस्था वही है, लोग वही हैं। मतलब सरकारी तंत्र चलाने वाले अफसरशाह वही हैं, कानून का दायरा भी वही है, सदन के नियम भी वही हैं, बावजूद इसके जो प्रेरणा हमारी सरकार ने सरकार संचालन करने वाले हर व्यक्ति के अंदर निर्मित की ही, उसके कारण परिवर्तन आ रहा है, इसकी अनदेखी हम नहीं कर सकते।

सभापति महोदय, मैं आपको यह बताना चाहूंगा कि हमारी संस्कृति में कहते हैं, 'नित्य नूतन चिर पुरातन'। यह बात सही है कि...(व्यवधान)... जो एक व्यवस्था बनाई गई है ....(व्यवधान)....

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Vijayasai Reddy, please sit down. ...(Interruptions)... Please don't do that. Sit down. Don't do that, please. It is very unfortunate. Why do you do like this?

SHRI V. VIJAYASAI REDDY: Sir, I would like to draw the attention of hon. Prime Minister. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This is not the way for doing that. Please put it down. This is not the way.

SHRI V. VIJAYASAI REDDY: *

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What are you doing? Nothing will go on record. Whatever he says will not go on record. Sit down. It is very unfortunate.

DR. VINAY P. SAHASRABUDDHE: Sir, I am not yielding. Kindly allow me to continue. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Vijayasai Reddy, please, don't do this. Sit down.

डा. विनय पी. सहस्त्रबुद्धे : उपसभापति जी, मैं आपसे यह कह रहा था कि जब ideology-driven सरकार आती है और इस सरकर की ideology....(व्यवधान)....

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Vijayasai Reddy, sit down. I will take action against you. Stop this. I cannot allow this. …(Interruptions)… You put it down first. …(Interruptions)…

(Contd. by 2N - GSP)

*** Not recorded.**

GSP-LT/2.55/2n

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no. This is not allowed. …(Interruptions)…

SHRI V. VIJAYASAI REDDY: Sir, it is our humble request. …(Interruptions)…

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please listen to me. If you have anything to say, you give notice; tomorrow, we will allow but now, please sit down. …(Interruptions)… Sit down. …(Interruptions)… You cannot disobey the Chair like this. …(Interruptions)…

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU: You have drawn the attention of the entire nation. …(Interruptions)…

SHRI V. VIJAYASAI REDDY: Sir, please. …(Interruptions)…

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Sit down. …(Interruptions)…

SHRI V. VIJAYASAI REDDY: Sir, please. …(Interruptions)…

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It cannot be allowed. No, no. This is not allowed. …(Interruptions)… I am sorry, I cannot allow this. …(Interruptions)… What are you doing? …(Interruptions)… Please put it down now. …(Interruptions)… Please advise him. …(Interruptions)…

चौधरी सुखराम सिंह यादव : उपसभापति जी, प्रधान मंत्री जी एक बार देख के मुँह घुमा लें, फिर वे बैठ जाएंगे। प्रधान मंत्री जी एक बार देख लें कि यह क्या है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He can give notice. …(Interruptions)… No, no. …(Interruptions)… He can give notice. …(Interruptions)…

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU: You were drawing the attention of the Prime Minister and the entire nation. …(Interruptions)… Your mission is completed. …(Interruptions)…

चौधरी सुखराम सिंह यादव : प्रधान मंत्री जी एक बार देख लें।

एक माननीय सदस्य : देख लिया है।

चौधरी सुखराम सिंह यादव : प्रधान मंत्री जी ने देख लिया है, तो फिर बैठ जाएंगे।

डा. विनय पी. सहस्त्रबुद्धे : उपसभापति जी, मैं यह कहना चाहता था कि जब हमारी सरकार "सबका साथ, सबका विकास" का मंत्र लेकर सत्ता में आई है, तो देशभक्ति हमारी सरकार की विचारधारा की माता है और राष्ट्रवाद हमारी सरकार की विचारधारा का पिता है। इसलिए इस देश की मिट्टी के साथ, इस देश के स्वभाव के साथ, इस देश के लोगों की जो आस्था है, जो विश्वास है, जो इथोस है, उसके साथ

मेल खाते हुए, उनका विश्वास और संपादन करते हुए, उनको सहभागी बनाते हुए एक पार्टिसिपेटिव डेमोक्रेसी का नया मॉडल खड़ा करने की दृष्टि से यह सरकार अग्रसर हो रही है। जब एक कार्यकर्ता सत्ता में आता है - वह किसी घराने की बदौलत सत्ता में नहीं है, एक कार्यकर्ता, संघर्षशील कार्यकर्ता ज़मीन से लेकर काम करते-करते जब प्रधान मंत्री पद तक आता है, तब वह दुनिया के गरीबों की समस्याओं को पहचानता है, जिसका रिफ्लेक्शन उसकी नीतियों में पड़ता है।

मैं अपने अगले बिंदु पर आता हूं कि इस सरकार की प्रमुख विचारधारा है - वंचितों के प्रति संवेदना, गरीबों का कल्याण और गरीबों का सशक्तिकरण। यह कैसे है, इसको मैं आपको चार बिंदुओं में बता रहा हूं।

अध्यक्ष महोदय, इस देश में किसानों के लिए बीमा योजनाओं का एक लंबा सिलसिला रहा है और हमने देखा है कि इसके लिए अवर्षण की स्थिति, अकाल की स्थिति या अतिवृष्टि की स्थिति को डिक्लेयर करना होता है, उसके बाद ही उसको बीमा का लाभ मिलता था। हमारे शहर में कोई गाड़ी खरीदता है, तो वह बीमा करा सकता है, कोई बंगला खरीदता है, तो वह बीमा करा सकता है, कोई स्कूटर खरीदता है, तो वह बीमा करा सकता है, कोई कंप्यूटर खरीदता है, तो वह भी बीमा करा सकता है, मगर किसान अपनी फसल, जिसको वह अपनी मेहनत के आधार पर उगाता है, उसका बीमा करने की कोई सहूलियत इस देश में नहीं है। अब यह हुआ है, "प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना" की खूबी यह है कि खेत में आप जो फसल उगाओगे - जयराम रमेश जी, आप भी जानते हैं कि फसल चक्र के हर पायदान पर उसको सुरक्षा प्राप्त हो गई है। अगर खेत में फसल बनी हुई है और किसी कारणवश फसल का नाश होता है

तो उसको बीमा की सुरक्षा मिलेगी। अगर आप बाज़ार में फसल ले जाते हो, कोई एक्सिडेंट होता है, फसल वहाँ तक नहीं पहुंच पाती, तब भी आपको बीमे की सुरक्षा मिलेगी। माननीय प्रधान मंत्री जी ने इस देश के किसानों को पूरे जीवन चक्र में सुरक्षा देने वाली इस तरीके की एक बहुत ही अनूठी फसल बीमा योजना दी है, जिसके कारण किसानों को राहत भी मिली है। उसके लिए अभी आवंटन भी बढ़ा है, जिसकी ओर मैं सदन का ध्यानाकर्षण करना चाहता हूं।

उपसभापति जी, इससे पहले, हमारे पूर्ववक्ता ने "उज्ज्वला योजना" का जिक्र किया है। मैं उसको दोहराना नहीं चाहता हूं, मगर हमारे देश का जो अविकसित इलाका है - ईशान्य भारत, पूर्वांचल, उस पूर्वांचल के हमारे भाई-बहनों को न्याय मिले, इसके लिए प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार यहाँ पर आई थी। उस सरकार ने डोनर, Department of North-East Region नाम का एक मंत्रालय बनाया था। यह मंत्रालय बहुत सुचारु रूप से चला। 2004 में वह सरकार गई, नई सरकार आई। सरकार के साथ-साथ जो प्राधान्य क्रम था, प्राइयॉरिटी थी, उसको बरकरार रखना जरूरी था, लेकिन उसको रखा नहीं गया। जिस भाव से उस मंत्रालय का निर्माण किया गया था कि उनकी उपेक्षा का अंत हो, उस मंत्रालय की ही उपेक्षा हुई। इस पद्धति से उस मंत्रालय के साथ खिलवाड़ किया गया, उनका आवंटन कम हुआ और उसके ऊपर ध्यान देने के लिए भी कोई तैयार नहीं था। अभी हमारे डा. जितेन्द्र सिंह उस मंत्रालय की कमान संभाल रहे हैं। वे हमें बता रहे थे कि अब ईशान्य भारत के, हमारे पूर्वांचल के मुख्य मंत्रियों को यहाँ आने की जरूरत नहीं है। मंत्रालय उनकी

राजधानियों में उनकी समस्याओं का हल निकालने की दृष्टि से हर महीने कैंप लगा रहा है, जिसके कारण सरकार उनके द्वार पर जा रही है।

(KLG/2O पर जारी)